दिनांक 05 / 06 / 2022

प्रकाशनार्थ

## पर्यावरण संरक्षण के बिना धरती पर जीवन संरक्षण सम्भव नहीं है

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विधि संकाय में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए विधि संकायाध्यक्ष प्रो0 अहमद नसीम ने कहा कि विकास के जिस मॉडल को मानव समाज ने वैश्विक स्तर पर अपना रखा है वह वास्तव में विनाश की ओर ले जाने वाला है। सारे संसार में पर्यावरण की रक्षा के नाम पर गोष्ठियाँ एवं सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं जहाँ बड़ी बड़ी बातें की जाती हैं, परंतु व्यावहारिकता के धरातल पर कोई बड़ा परिवर्तन नहीं दिखाई देता है। जबतक मानव प्राणि प्रकृति के साथ सामंजस्य रखते हुए विकास का तरीका नहीं अपनायेगा, पर्यावरण का संरक्षण सम्भव नहीं है। वास्तव में पर्यावरण संरक्षण का प्रश्न जीवन संरक्षण का प्रश्न है।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो0 जितेंद्र मिश्र ने भारत की प्राचीन परम्पराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय जीवन दर्शन हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देते हैं। पर्यावरण का संरक्षण केवल कहने से नहीं होगा बल्कि उसके लिए ठोस तथा प्रभावी कदम उठाने पड़ेंगे।

विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 वेद प्रकाश राय ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इसके पूर्व विभाग के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने संकाय के लॉन में वृक्षारोपण किया।कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ0 सुमनलता चौधरी, डॉ0 ओ पी सिंह, डॉ0 शिव पूजन सिंह, डॉ0 अभयचंद मल्ल विसेन, डॉ0 आशीष कुमार शुक्ल एवं डॉ0 आलोक कुमार तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्री महेंद्र नाथ सिंह, श्री संतोष कुमार और श्री रामपाल के साथ सभी आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने भाग लिया।

Media and Public Relations Office
Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur
University, Gorakhpur